श्रेष्ठ सुप्रभात

**विनय-भक्ति वहीं तक उचित है,
जहां तक सत्य का हनन न हो।
सत्य को गौण कर विनय
करना उचित नहीं है।**

-आचार्य महाश्रमण

NEXT™

NEWS EXCELLENT TODAY

तापमान (डिग्री सेल्सियस)

	अधिकतम	न्यूनतम
श्रीडूंगरगढ़	23.0	10.0
बीकानेर	23.0	9.0
जयपुर	26.0	14.0

E- Paper NEXT 0041

newsexcellenttoday.com | 21 जनवरी 2025, मंगलवार | माघ, कृष्ण पक्ष सप्तमी - 2081

श्रीडूंगरगढ़ बार संघ ने नवनियुक्त भाजपा शहर अध्यक्ष का किया भव्य स्वागत

NEXT | श्रीडूंगरगढ़

श्रीडूंगरगढ़ न्यायालय परिसर स्थित पुस्तकालय भवन में बार संघ ने भाजपा के नव नियुक्त शहर अध्यक्ष अधिवक्ता राधेश्याम दर्जी का सम्मान किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बार संघ के अध्यक्ष सत्यनारायण प्रजापत ने अपने उद्बोधन में कहा कि राधेश्याम दर्जी के राजनीतिक करियर की यह उपलब्धि पूरे बार परिवार के लिए गर्व की बात है। उन्होंने दर्जी को मिलनसार और कर्मठ व्यक्तित्व बताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर अधिवक्ताओं ने दर्जी का पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया। बार संघ के मीडिया प्रवक्ता पुखराज तेजी ने बताया कि कार्यक्रम में धर्मेंद्र सिंह शेखावत, ललित कुमार मारू, जयप्रकाश मीणा, के.के. पुरोहित, पंकज पंवार, सोहन सिद्ध, किशन स्वामी, संजय बोहरा, जितेंद्र स्वामी, गणेशराम मेघवाल, अनिल धायल, गोपाल पारीक और मनमोहन पैरोकार सहित कई अधिवक्ता उपस्थित रहे।

श्रीडूंगरगढ़ की बेटी पलक आसोपा ने 8वीं स्टेट मेरिट में बनाई जगह

NEXT | श्रीडूंगरगढ़

श्रीडूंगरगढ़ की होनहार छात्रा पलक आसोपा ने राजस्थान में 8वीं कक्षा की स्टेट मेरिट सूची में स्थान बनाकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि के लिए सूर सागर राजकीय स्कूल, बीकानेर में आयोजित जिला स्तरीय सम्मान समारोह में पलक को सम्मानित किया गया और टेबलेट प्रदान किया गया।

पलक श्रीडूंगरगढ़ की श्री कन्हैयालाल सिखवाल राजकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल की छात्रा हैं। विद्यालय के कार्मिक जितेंद्र कुमार सोनी ने बताया कि पलक ने अपनी कड़ी मेहनत और लगन से यह उपलब्धि हासिल की है। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की प्रिंसिपल विमला गुर्जर ने पलक को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। पलक की इस सफलता ने न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। उनके सम्मान से क्षेत्र के अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरणा मिलेगी।

नव नियुक्त उपनिदेशक आयुर्वेद डॉ. प्रभुदयाल डेलू का स्वागत

NEXT | श्रीडूंगरगढ़

आयुर्वेद विभाग राजस्थान द्वारा डॉ. प्रभुदयाल डेलू को उपनिदेशक आयुर्वेद, बीकानेर के पद पर पदस्थापित किया गया है। डॉ. डेलू के स्वागत में जिलेभर से बड़ी संख्या में आयुर्वेद चिकित्सक उनके कार्यालय पहुंचे। चिकित्सकों ने उन्हें गुलदस्ता भेंट कर व माल्यार्पण करते हुए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर डॉ. डेलू ने कहा कि आयुर्वेद के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को लाभ पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

उन्होंने फरवरी में बीकानेर जिला मुख्यालय पर आयोजित होने वाले संभाग स्तरीय आरोग्य मेले की तैयारियों को लेकर चिकित्सकों के साथ समीक्षा बैठक की और आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। डॉ. प्रभुदयाल डेलू इससे पूर्व राजकीय आयुर्वेद औषधालय, गुसाईंसर में कार्यरत थे और वहीं से उपनिदेशक का पद संभाल रहे थे।

तेज रफ्तार कार ट्रक से टकराई, आर्मी जवान की मौत, एक गंभीर घायल

NEXT | श्रीडूंगरगढ़

रविवार शाम को नेशनल हाईवे-11 पर रायसर के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। तेज रफ्तार कार सड़क किनारे खड़े ट्रक से जा टकराई। हादसे में कार में सवार आर्मी जवान की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को बीकानेर के पीबीएम ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया है।

घटना का विवरण: नापासर थाना क्षेत्र में यह हादसा शाम करीब 5 बजे हुआ। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान हरियाणा निवासी दीपक के रूप में हुई है, जो बीकानेर सैन्य छावनी में 24 आर्टरी में तैनात था। घायल व्यक्ति का नाम दलजीत है।

पुलिस की कार्रवाई: सूचना मिलते ही नापासर थानाधिकारी लक्ष्मण सुथार टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायल को तुरंत ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया और शव को नापासर मॉर्च्यूरी में रखवाया। आर्मी अधिकारियों को हादसे की जानकारी दे दी गई है।

5वीं और 8वीं बोर्ड एग्जाम फॉर्म भरने शुरू हुए, लास्ट डेट 5 फरवरी

NEXT | बीकानेर/श्रीडूंगरगढ़

प्रदेशभर के करीब 25 लाख छात्रों को इस साल भी पांचवीं और आठवीं कक्षा की परीक्षा बोर्ड पैटर्न पर देनी होगी। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 20 जनवरी से शुरू हो गई है और आवेदन की अंतिम तिथि 5 फरवरी निर्धारित की गई है। शिक्षा विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। पंजीयक नरेंद्र कुमार सोनी ने जानकारी दी कि सरकारी, निजी, संस्कृत, मूक-बधिर, अंध विद्यालय और मदरसों के सभी छात्रों को इन परीक्षाओं में शामिल होना अनिवार्य है। पांचवीं कक्षा की परीक्षा को "प्राथमिक शिक्षा अधिगम स्तर परीक्षा" और आठवीं की परीक्षा को "प्रारंभिक शिक्षा पूर्णता प्रमाण पत्र परीक्षा" का नाम दिया गया है।

स्कूल प्रबंधन की जिम्मेदारी

स्कूल प्रिंसिपल्स को निर्देश दिया गया है कि वे शाला दर्पण पोर्टल पर जाकर अपने स्कूल के सभी पात्र छात्रों के आवेदन समय पर जमा करवाएं। पोर्टल पर "पांचवीं और आठवीं एग्जाम" टैब के माध्यम से फॉर्म भरा जा सकता है।

आरटीई में बदलाव का असर

राज्य सरकार ने पिछले साल आरटीई अधिनियम के तहत आठवीं तक के छात्रों को फेल करने का प्रावधान लागू किया था, जिससे छात्रों में शिक्षा के प्रति गंभीरता बढ़ाने का उद्देश्य था।

इंजीनियरिंग और कॉर्पोरेट करियर छोड़, बने आध्यात्मिक संत

देश में ऐसे कई संत और आध्यात्मिक गुरु हैं जिन्होंने प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों से डिग्री हासिल की और बेहतरीन नौकरी की। लेकिन फिर उन्होंने अपनी सफल पेशेवर जिंदगी छोड़कर अध्यात्म और समाजसेवा की राह चुनी। ऐसे व्यक्तित्व प्रेरणादायक हैं जो दिखाते हैं कि जीवन में असली संतोष भौतिक सुखों से नहीं, बल्कि आत्मिक शांति और दूसरों की सेवा से मिलता है। NEXT आपको ऐसे ही कुछ संतों के बारे में बता रहा है।

अभय सिंह – आईआईटी से संन्यास तक महाकुंभ में इस बार एक विशेष संन्यासी चर्चा का केंद्र बने हुए हैं। उनका नाम अभय सिंह है, जिन्होंने आईआईटी से बीटेक की डिग्री हासिल की थी। इसके बाद उन्होंने एक शानदार नौकरी को छोड़कर आध्यात्मिक जीवन अपना लिया। मीडिया में दिए गए उनके इंटरव्यूज इन दिनों खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं।

बीके शिवानी – ब्रह्मकुमारीज़ की प्रमुख ब्रह्मकुमारीज़ संगठन का प्रमुख चेहरा बीके शिवानी हैं। उन्होंने सावित्रीबाई फुले यूनिवर्सिटी से इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में ग्रेजुएशन और महाराष्ट्र इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से कंप्यूटर इंजीनियरिंग में मास्टर डिग्री ली। शुरुआती दौर में वह संगठन के बैकस्टेज काम करती थीं। 2007 में प्रवचनों के लिए आगे आईं और आज वह लाखों लोगों के लिए प्रेरणा स्रोत बन चुकी हैं।

आचार्य प्रशांत – अद्वैत वेदांत के प्रचारक आचार्य प्रशांत ने आईआईटी से बीटेक और आईआईएम से एमबीए की पढ़ाई की। उन्होंने सिविल सेवा परीक्षा पास करने के बाद भी नौकरी नहीं की और अद्वैत वेदांत की शिक्षा को लोगों तक पहुंचाने का कार्य शुरू किया। उनके यूट्यूब चैनल और लिखी गई किताबें लाखों लोगों तक उनकी शिक्षाएं पहुंचाती हैं। वह वीगनिज़्म और मांसाहार के विरोधी भी हैं।

अमोघ लीला दास – इस्कॉन के संत अमोघ लीला दास, जिनका असली नाम आशीष अरोड़ा है, ने दिल्ली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग से सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग की डिग्री ली। इसके बाद उन्होंने एक मल्टीनेशनल कंपनी में काम किया, लेकिन जल्दी ही सब कुछ छोड़कर इस्कॉन से जुड़ गए। आज वह एक प्रेरणादायक वक्ता और समाजसेवी हैं।

गौर गोपाल दास – सोशल मीडिया के लोकप्रिय संत गौर गोपाल दास का जन्म महाराष्ट्र के अहमदनगर में हुआ। उन्होंने कसरो वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की डिग्री ली और एचपी कंपनी में नौकरी की। लेकिन जल्द ही उन्होंने नौकरी छोड़कर इस्कॉन से जुड़ने का निर्णय लिया। वह सोशल मीडिया पर बेहद लोकप्रिय हैं और उनकी किताब "लाइफ्स अमेज़िंग सीक्रेट्स" को खूब सराहा गया।

स्वामी मुकुंदानंद – वेदों और योग के ज्ञाता स्वामी मुकुंदानंद ने आईआईटी से बीटेक और आईआईएम से एमबीए किया। उन्होंने भी कॉर्पोरेट नौकरी छोड़कर आध्यात्मिक मार्ग चुना। वह जगद्गुरु कृपालु महाराज के शिष्य हैं और वेद, योग और ध्यान सिखाने के लिए प्रसिद्ध हैं।

श्री श्री रविशंकर – 'आर्ट ऑफ लिविंग' के संस्थापक श्री श्री रविशंकर ने विज्ञान में डिग्री लेने के बाद आध्यात्मिकता की ओर रुख किया। उन्होंने 'आर्ट ऑफ लिविंग' और 'ट्रांसेंडेंटल मेडिटेशन' की शुरुआत की, जो आज दुनियाभर में लाखों लोगों के जीवन का हिस्सा है।

इन महान हस्तियों का जीवन यह साबित करता है कि सच्ची सफलता धन और करियर में नहीं, बल्कि आत्मिक संतोष में निहित है। उन्होंने अपने उच्च शिक्षित और सफल करियर को पीछे छोड़कर मानवता और अध्यात्म की सेवा को प्राथमिकता दी।

आज ही NEXT की साइट का विजिट करें और जुड़ें रहिए NEXT से...